आयसृजनगतिविधिव्यवसाययोजना
ब्रूम मेकिंग
2025

स्वयंसहायतासमूहकानाम	:जय बाबा नाहर सिंह स्वयंसहायतासमूहबंदला
ग्रामीणवनविकासमितिकानाम	:बंदला
फील्डटेक्निकलयूनिटकानाम	:सदर
डीएमयू/वनमंडलकानाम	:बिलासपुर
एफसीसीयू / सर्कल	:बिलासपुर
हिप्रवऔरआसुपजाईकाकेद्वाराप्रायोजित	द्वारातैयार:- डीएमयूबिलासपुर, एफ टी यू सदर और सहायता समूहजय बाबा नाहर सिंह

विषयसूचि

क्रमसंख्या	विवरण	पृष्ठ /पृष्ठ
1	परिचय	3-4
2	एसएचजी/ सीआईजीकाविवरण	4-6
3	कार्यकारीसारांश	7
4	स्वयंसहायतासमुहकाविवरण-:	7
5	गांवकाभौगोलिकविवरण	8
6	उत्पादनयोजनाकाविवरण:	8
7	उत्पादकीयोजना-:	9
8	काछेमालकीआवश्यकताऔरअनुमानितउत्पादन	9
9	झाड़ूबनानेकीप्रकिया-:	10
10	समूहकेसदस्योंकेबीचप्रबधनकाविवरण-:	10-11
11	Analysis SWOT	11-12
12	मशीनरीउपकरणऔरअनयउपकरण	12-13
13	में निधि :	14
14	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण /कौशल उन्नयन	14
15	निगरानी विधि-	15

1.परिचय

बंदला गाव भारत के हिमाचल प्रदेश मई बिलासपुर जिले कि तहसील के बिलासपुर मई स्थित है i यह बिलासपुर से 14 किलोमीटर दूर स्थित है i जो बंदला गाव का जिला और उप जिला मुख्यालय है i इस गाव मई नव सवीकृति शासकीय हैड्रो इंजीनियरिंग कालेज हैi घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 14 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से बिलासपुर दूसरा जिला है

वी एफ़ डी एफ़ क्षेत्र का स्थान:-

इस सूक्ष्म योजना के विशेष क्षेत्र मई दो वार्ड,वार्ड संख्या-3 और वार्ड संख्या शामिल है 4 ग्राम पंचायत बंदला मई स्थित है i यह क्षेत्र जिला मुख्यालय बिलासपुर से लगभग 14 किलोमीटर दूर है एजेंसी द्वारा किये गए सर्वेक्षण के अनुसार बंदला मैक्रोप्लान मई 884 व्यक्तियों कि आबादी वाले कुल 163 परिवार है,जिनमे से 445 पुरुष और 439 महिलाये हैi

वन और अन्य कार्यालयोंसे दूरी :

बंदला वी एफ़ डी एफ़ सदर वन रेंज से लगभग 14किलोमीटर दूर है vfds गवेर्न्मेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बंदला के बीच स्थित है बंदला वी एफ़ डी एफ़ राज्य कि राजधानी शिमला से लगभग 130 किलोमीटर दूर है i

वार्ड कि महत्वपूर्ण विशेषता:-

बंदला बिलासपुर शहर के शीर्ष पर है i हाइड्रोइंजीनियर कॉलेज वी एफ़ डी एफ़ बंदला कि मुख्या विशेषता है

वन और महत्वपूर्ण

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों औरहिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, बिलासपुर जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू, शिमला, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले बिलासपुर जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और गेहूं व मक्की की खेती के किये प्रसिद्ध है I

बिलासपुरशहर गोविन्द सागर झील के तट पर स्थित है, बिलासपुर के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं

बंदला ग्रामीण वन विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, "जय माँ जालपा " स्वयं सहायता समुह, हल्दी

बनाना और वेर्मिकोम्पोस्ट बनाने का फ़ैसला किया, इसका मूल्यवर्धनसे संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने हल्दी बनाना और वेर्मिकोम्पोस्ट करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञानं केन्द्रबिलासपुर स्थित बिलासपुर द्वारा प्रदान किए गए थे। कार्यालय वनमंडल बिलासपुर, और विषय वस्तु विशेष्ज्ञ डॉ उल्शीधा,मधु फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर मार्कंड परिक्षेत्र,श्रीराज कुमार रक्षक, मार्कंड बीट और वनखंड अधिकारी, वन खंड बिलासपुर शामिल रहे।

2. एस एच जी /सी आई जी का विवरण

1.	एस एच जी /सी आई जी का नाम	..	जय बाबा नाहर सिंह जी
2.	वी एफ डी एस	..	बंदला
3.	श्रेणी	..	बंदला
4.	विभाजन	..	बिलासपुर
5.	गाव	..	बंदला
6.	अवरोध पैदा करना	..	-
7.	जिला	..	बिलासपुर
8.	एस एच जी में सदस्यों की कुल संख्या	..	8
9.	गठन की तिथि	..	23/6/2025
10.	बैंक खाता संख्या	..	10610120668
11.	बैंक विवरण संख्या	..	हिमाचल कोआपरेटिव बैंक
12.	एस एच जी /सी आई जी मासिक बचत	..	100
13.	कुल बचत	..	20,000/-
14.	कुल अंतर ऋण	..	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	..	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	..	-

फोटो के साथ स्वयं सहायता समूहसदस्यों का विवरण:

क्रम संख्या	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1	आशा देवी	प्रधान	Gernal	43	Asha Devi
2	शैलजा कुमारी	सचिव	BPL Gernal	25	Shailja kumari
3	गोमति देवी	कोषाअध्यक्ष	Gernal	43	गोमति देवी
4	रीमा देवी	सदस्य	BPL Gernal	45	रीमा देवी
5	कृष्णी देवी	सदस्य	BPL Gernal	57	कृष्णी देवी
6	लीला देवी	सदस्य	Gernal	60	लीला देवी
7	शर्मिला देवी	सदस्य	Gernal	38	Sharmila Devi
8	प्रेमी देवी	सदस्य	Gernal	47	प्रेमी देवी
9					
10					
11					
12					
13					
14					
15					
16					

आशा देवी

प्रधान

शैलजा देवी

सचिव

रीमा देवी

शर्मीला देवी

सीता देवी

गोमती देवी

प्रेमी देवी

किशनी देवी

3. कार्यकारी सारांश

" बंदला "वन ग्रामीण विकास समिति:-

"**बंदला**"ग्रामीण वन विकास समिति राजस्व मुहाल ब्रहाम्पुखर का हिस्सा है और वन विकास समिति "**बंदला**" का गठन ग्राम पंचायत बंदला मे किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर जिले के सदर ब्लॉक में स्थित है"**बंदला**"ग्रामीण वन विकास समिति बिलासपुर वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) में सदर वन रेंज के अंतर्गत बर्हमपुखर ब्लॉक के नम्होल बीट के अंतर्गत आता है ।

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

यहक्षेत्रउड़द, बेमौसमी सब्जियां, अदरक, अनारदाना, निम्बू, अखरोट केलिएप्रसिद्

परिवारोंकीसंख्या	163	
बीपीएलपरिवार	103=63.2%	
कुलजनसंख्या	1768	

4 स्वयंसहायतासमुहकाविवरण:-

"जय बाबानाहर सिंह स्वयं सहायता समुह का गठन 23 जून2025मेंवन विकास ग्रामीण समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

"जय बाबानाहर सिंह" स्वयं सहायता समुह महिला समूह (आठ) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैंऔर मौसमी पैराग्लैडिंग में पैन गेस्ट का काम करते है , लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने झाड़ू बनाने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 8 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-.

5 गांवकाभौगोलिकविवरण

जिलामुख्यालयसेदूरी	:	20किमी
मुख्यमार्गसेदूरी	: :	1 (लेकिनमुख्यसड़कसे100से 50मीटरतक) लगभग
स्थानीयबाजारकानामएवंदूरी	:	बिलासपुर 20किमी।
प्रमुखशहरोंकेनामऔरदूरी	: :	बिलासपुर 20, ब्रहाम्पुखर8किमी।
प्रमुखशहरोंकेनामजहां उत्पादोंकोबेचा/विपणितकियाजाएगा	: :	ब्रहाम्पुखर, बिलासपुर

. आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण साथ:-

1	उत्पादन का नाम		झाड़ू बनाना
2	उत्पाद पहचान की विधि		यह गतिविधि स्वय सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तय की गई है।इसके अलावा, स्वय सहायता समूह का एक सदस्य पहले से ही यह गतिविधि कर रहा है ।
3	एस एच जी/सी/ आई जी/कलस्टर सदस्यों की सहमति		हाँ

6 उत्पादन योजना का विवरण :

प्रारंभ में झाड़ू निर्माण परियोजना के माध्यम से स्थित वन क्षेत्र से मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ । शाहपुर और मनोह स्थित निजी हैचरी से भी मंगाई जाएगी ।परियोजना के दिशा निर्देशानुसार परियोजना के पूंजीगत व्यय से 75% सब्सिडी दी जाएगी ।स्थानीय बाजार में ब्रोमकी भारी मांग है ।समूह के सभी सदस्यों के लिए इनका विपरण करना कोई समस्या नहीं होगी ।झाड़ू एक आम घरेलु वस्तू है । इसे विभिन्न जिलों में भेजा जाता है ।इसकी अच्छी मांग है ।और बिलासपुर और ब्रहाम्पुखर की दुकानो में बेचा जाता है।और अन्यआउटलेट । अर्थशास्त्र ओसत लागत क्र आधार पर किया जाता है और ये हो सकता है

7 उत्पाद की योजना:-

कार्य दिवस -प्रति माह 25 दिन

प्रति वर्ष : 300 दिन

कार्यरत व्यक्ति 8 :व्यक्ति)प्रतिदिन 6घंटे

सामग्री का स्त्रोत : स्थानीय वन क्षेत्र

अनुमानित : उत्पादन

प्रतिदिन औसत उत्पादन 8:x40=320

प्रति माह: 200*40=8000

प्रतिवर्ष: 2400*40=96000

समय लिया	..	उपरोक्त अनुसार
शामिल सदस्यों की संख्या	..	8 महिला
कच्चे माल का स्त्रोत	..	स्थानीय वन क्षेत्र
अन्य संसादनो का स्त्रोत	..	स्थानीय बाजार बिलासपुर
उत्पादन चक्र)दीनो में 5-6 घंटे /दिन कार्य के पश्चात 30 दिन प्रतिदिन	..	8X40=320
प्रति चक्र आवश्यक श्रमिक (संख्या में	..	कुल 8 सदस्य

8 . काछे माल की आवश्यकता और अनुमानित उत्पादन

विपणन/बिक्री का विवरण :

	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	..	गाव और बाज़ार बंदला बिलासपुर
	मांग	..	पुरे वर्ष
	बाज़ार की पहचान की प्रक्रिया	..	समूह के सदस्य सम्पर्क करेगे आस-पास के ग्रामीण/घर/रेस्तरां और होटल
	विपणन रणनीति	..	कवर किये गए गाव बाज़ार बंदला बिलासपुर
	उत्पाद का ब्रांड	..	बाबा ब्रांड बनाना

9 झाड़ू बनाने की प्रकिया :-

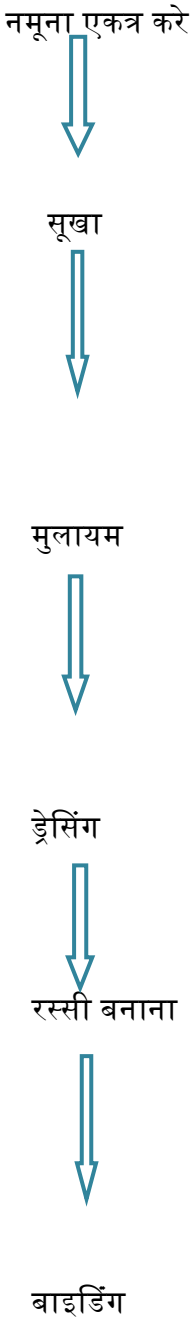

10 समूह के सदस्यों के बीच प्रबधन का विवरण:-

1 प्रबंधन के लिए नियम बनाये जायेगे I

2 समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का वितरण करेगे I

3 आबंटन कार्य की दक्षता एवं क्षमता के आधार पर किया जायेगा I

4 लाभ का वितरण भी कार्य की गुणवत्ता,कौशल एवं परिषम के आधार पर किया जायेगा I

5 मार्केटिंग में अनुभव रखने वाले सभी सदस्य बारी बारी से मार्केटिंग करेगे I

6 प्रधान और सचिव उसी समय प्रबंधन का मूल्यांकन और निरीक्षण करते रहेगे I

2. ग्राहकों

हमारे केंद्र के प्राथमिक ग्राहक ज्यादातर मनोह और शाहपुर क्र ठेकेदार स्थानीय लोग होंगे

इस SHG के सदस्यों के पिछले अनुभव के कारन जो पहले से ही यहाँ- वहा यही काम कर रहे है I इस IGAको चुना गया है,और इसलिए shg इस व्यवसाये को शुरू कर रहा है। यह विभिन्न सदस्यों के कौशल को सयोजित करने और अधिक आजीविका कमाने के लिए उनकी गतिविधि को बढाने का एक प्रयास है।

11. Analysis SWOT

- **ताकत**

1 कुछ एस एच जी सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधि की जा रही है

2 स्थानीय वनों से कच्छा माल आसानी से उपलब्ध

3 विनिर्माण प्रक्रिया सरल है

4 उचित पैकिंग और परिवहन में आसानी

5 परिवार के अनय सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेगे

6 उत्पाद का सवाए जीवन लम्बा है

- **कमजोरी:-**

- जानकारी का अभाव

- **अवसर :-**

- उत्पादों की बदती मांग
    - **खतरा जोखिम :-**
- प्रतिसपर्धि बाजार
- प्रशिक्षण /क्षमता निर्माण एवं कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति
- लाभार्थियों में प्रतिसपर्धि का स्तर

12 मशीनरी उपकरण और अनय उपकरण

पारंपरिक झाड़ू के साथ-साथ यांत्रिक मशीन का भी उपयोग किया जायेगा ताकि विपणनके लिए एक मुलयावन उत्पाद उपलब्ध कराया जा सके और इसे गुणवत्ता और मूल्य दोनों में प्रतिसपर्धि बनाया जा सके lलक्षित क्षेत्र में मांग के लिए :-

एका	पूंजीगत लागत			
एका	**पूंजीगत लागत**			
क्रम संख्या	मशीनरी का विवरण	मात्रा	दर प्रति इकाई	कुल मात्रा
1	झाड़ू बनाने का ब्रश	8	200	1600
2	प्लास्टिक की रस्सी	8	500	4000
2	कैंची	8	200	1600
3	वाटर प्रूफ शीत)तिरपाल	8	2500	20000
4	कैंची	8	100	800
	कुल पूंजी लागत			**28000**

बी।	आवर्ती लागत			
क्रम संख्या	विवरण	इकाई	दर	मात्रा
1	कमरे का किराया	प्रति महीने	1500	1500
2	पानी और बिजली	प्रति महीने	1000	1000
कुल आवर्ती लागत				2500

13. में निधि प्रवाह:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि रुपए	परियोजना योगदान	स्वय सहायता समूह योगदान
1	कुल पूंजी लागत	28000	21000	7000
2	कुल आवर्ती लागत	2500	0	2500
3	प्रशिक्षण	15000	15000	0
	कुल	45500	36000	9500

टिपण्णी-

- पूंजीगत लागत-कुल पूंजीगत लागत का 75%परियोजना द्वारा वहां किया जायेगा
- आवर्ती लागत-सम्पूर्ण लागत SHG/CIG द्वारा वहां की जाएगी।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्यानन कुल लागत परियोजना द्वारा वहां की जाएगी

14. धन और खरीद के स्त्रोत :

परियोजना समर्थन ;	मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा । स्वय सहायता समूह के बैंक खाते में एक लाख रुपये तक	कोडल निर्देशी का पालन करने के बाद मशीनों की खरीद सम्बन्धी डीएम्यू/एफसीसीयू द्वारा की

	की धन राशि के रूप में जमा की जाएगी । प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत ।	जाएगी ।ओप्चारिक्तायें
एसएच जी योगदान	पूंजीगत लागत का 25% हिस्सा स्वय सहायता समूह द्वारा वहां किया जायेगा । स्वय सहायता समूह द्वारा वहां की जाएगी	

15. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण /कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण /क्षमता निर्माण /कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहां की जाएगी।निमंलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण /कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक है :

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबधन

16. ऋण चुकोती अनुसूची–

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुन बीमा भुगतान अनुसूची होगी हालाकि सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सी सी एल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए ।

- सी सी एल में एस एच जी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए

- सावधि ऋणों में भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए

17. निगरानी विधि-

- वी एफ डी एस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आइजीएकी प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का सञ्चालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक पड़ने पर सुधारात्मक कार्यवाही का सुझाव देगी ।
- स्वय सहायता समूह की प्रतेक सदस्य की आईजी की प्रगति और निष्पादन की भी समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्यवाही का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संच।लनअनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

हस्ताक्षर

प्रधान स्वयं सहायता समूह सचिव
ग्राम-माहर सिंह स्वयं सहायता समूह
गांव व डा0 बन्दला, तह0 सदर,
जिला बिलासपुर (हि0प्र0) 174001

हस्ताक्षर

प्रधान स्वयं सहायता समूह सचिव
ग्राम सहायता समूह
गांव व डा0 बन्दला, तह0 सदर,
जिला बिलासपुर (हि0प्र0) 174001

हस्ताक्षर

सचिव,वन ग्रामीण विकास समिति

प्रधान सचिव
बन्दला VFDS कमेटी
जिला बिलासपुर (हि.प्र.)

हस्ताक्षर

वन खंड अधिकारी

हस्ताक्षर

प्रधान ,वन ग्रामीण विकास समिति

प्रधान सचिव
बन्दला VFDS कमेटी
जिला बिलासपुर (हि.प्र.)

हस्ताक्षर

वन खंड अधिकारी

हस्ताक्षर

वन खंड अधिकारी

Range Forest Officer
Forest Range Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)

Divisional Management Unit
Officer JICA स्वीकृत Project,
Distt. Bilaspur (H.P.)